

भेदमूलक वि. (तत्.) 1. जिसके मूल में भेद हो, भिन्नता वाला 2. जो भेद या भिन्नता के मूल में हो 3. भेद उत्पन्न करने वाला।

भेदवाद पुं. (तत्.) भेद का सिद्धांत या मत, द्वैतवाद।

भेदविगलित वि. (तत्.) नष्ट भेदों वाला, भेदहीन।

भेदविधि स्त्री. (तत्.) 1. दो वस्तुओं में अंतर करने का तरीका 2. दूसरों में फूट डालने का उपाय 3. भेदन की विधि अथवा प्रणाली।

भेदिनी स्त्री. (तत्.) 1. भेद-भाव करने वाली 2. चीर-फाड़ करने वाली।

भेदिया पुं. (तत्.) 1. किसी रहस्य को जानने वाला, वह जिसने किसी का कोई रहस्य जान लिया हो, भेद लेने वाला 2. गुप्तचर, जासूस।

भेदी वि. 1. भेद कारक 2. भेदन जानने या करने वाला, भेदिया 3. चीर-फाड़ करने वाला 4. अलग करने वाला अलगाने वाला 5. भेद लेने वाला अर्थात् गुप्तचर या जासूस अथवा भेदिया।

भेदीकरण पुं. (तत्.) भेदने की क्रिया या भाव, भेद-भाव करने का व्यवहार, भिन्न-भिन्न करना।

भेदीसार पुं. (तत्.) बढ़इयों का छेदने का औजार, बरमा।

भेदू पुं. (देश.) 1. भेदिया 2. मर्मज्ञ।

भेद्य वि. (तत्.) 1. जिसे भेदा या छेदा जा सके, भेदे जाने योग्य 2. जो भेदा जाने वाला हो, वेध्य।

भेरी स्त्री. (तत्.) एक वाद्य, बड़ा ढोल, नगाड़ा, भेरि, ढक्का, दुंदुभी, डंका।

भेल पुं. (देश.) 1. भीरु, डरपोक 2. अस्थिर 3. क्षिप्र 4. मूर्ख, बेवकूफ 5. लंबा, ऊँचा 6. नष्ट किया जाने वाला 7. लुटने वाला या लूटा गया।

भेली स्त्री. (देश.) गुड़, आदि किसी चीज की गोल बड़ी बटी या पिंडी, गुड़।

भेष पुं. (तत्.) 1. वेश-भूषा, पहनावा, बनावटी रूप और पहनावा, साधुओं आदि का वह बाह्य रूप जिससे उनके संप्रदाय या पंथ आदि का पता चलता है 2. रंगमंच में नेपथ्य।

भेषज पुं. (तत्.) 1. औषधि, दवा, उपचार, इलाज 2. जल 3. विष्णु वि. (तत्.) आरोग्य-लाभ कराने वाला।

भेषजकोश पुं. (तत्.) किसी देश विशेष में प्रयुक्त सभी औषधियों के मानक सूत्र और रचना विधि बताने वाला औषधि-कोश, औषधि-निर्माण-निर्देशिका।

भेषजगुणविज्ञान पुं. (तत्.) औषधियों की प्रकृति, उनके निर्माण तथा शरीर पर उनके प्रभावों के अध्ययन का विज्ञान, भेषजशास्त्र। pharmacopoeia

भेषज संग्रह पुं. (तत्.) वह प्रामाणिक ग्रंथ जिसमें किसी देश की या किसी पद्धति विशेष की मान्य दवाओं और उनके गुणों इत्यादि का विवेचन हो।

भेषजागार पुं. (तत्.) 1. औषधालय 2. दवाओं की दुकान।

भैंसा पुं. (तत्.) महिष ला.अर्थ मोटा-ताजा व्यक्ति।

भैंसासुर पुं. (तत्.) महिषासुर, रंभ नामक राक्षस का पुत्र जिसकी आकृति भैंसे जैसी थी जिसे देवी दुर्गा ने मारा था।

भैक्ष पुं. (तत्.) भिक्षा, भीख, भिक्षा में प्राप्त वस्तु, साधु-संन्यासी की भिक्षा-वृत्ति, भिक्षा माँगने की क्रिया या भाव।

भैया पुं. (देश.) 1. भाई, भ्राता, भइया 2. बराबर वालों या छोटों के लिए संबोधन 3. मुंबई आदि कुछ स्थानों में गुंडों आदि के लिए कभी कभी प्रयुक्त शब्द, भाई।

भैयादूज स्त्री. (देश.) कार्तिक शुक्ल द्वितीया, दीपावली के बाद की द्वितीया तिथि पर होने वाला त्योहार, जिसमें बहनें अपने भाइयों को